

Spis treści

| | |
|--|----|
| Matkom Wolnej Europy | 5 |
| Archetyp domu | 6 |
| Pamięć zaplątana w cierniach | 8 |
| Samorodek | 9 |
| Pamięć. | 10 |
| Kuźnia. | 11 |
| xxx (śpisz pośród cieni...) | 12 |
| Ce - Ka | 13 |
| xxx (wydobyte już wszystko...) | 14 |
| Gra o dusze | 15 |
| Kamyk węgielny | 16 |
| Jesień 93 | 17 |
| Na przekór pogodzie w kościach | 19 |
| Wigilia 93 | 20 |
| Nie odetnę cienia | 21 |
| Epoka wiary ślepej | 22 |
| Powitanie | 24 |
| xxx (przyjdiesz...) | 25 |
| Konstatacja | 26 |
| Szklany grzech | 27 |
| xxx (to...) | 28 |
| Jesień, jesień, jesień | 30 |
| Gorzki dar wymowy | 31 |
| Niepełność | 32 |
| Nie unikniesz swego | 33 |
| Jesień A.D. 1994 | 34 |
| Póki co | 36 |
| Poeta Doctus | 37 |
| To ja umieram - ty tylko przestajesz żyć | 38 |
| Migotliwość chwili | 39 |
| Nadzieja | 41 |
| xxx (drogo płacimy...) | 42 |
| W podróży | 43 |
| Erotyk wiosenny | 44 |
| Tego czasu już nie ma | 45 |
| xxx (synu...) | 46 |
| Erotyk chybiony | 47 |
| Zanim umrze metafora | 48 |
| Poetycki świat Władysławy Szproch | 49 |
| Spis treści | 52 |